

Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara

मानव संसाधन प्रबंधन (HRM): प्रशिक्षण के प्रकार - विषयगत ज्ञान एवं कौशल प्रशिक्षण (Types of training-substantive knowledge and skill training)

- प्रशिक्षण किसी भी संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों के ज्ञान, क्षमता और कार्यकुशलता को बढ़ाना है।
- इससे न केवल कर्मचारियों का प्रदर्शन सुधरता है बल्कि संगठन की उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ती है।

HRM में प्रशिक्षण को मुख्यतः दो प्रकारों में बाँटा जा सकता है:

1. विषयगत ज्ञान प्रशिक्षण (Substantive Knowledge Training)
2. कौशल प्रशिक्षण (Skill Training)

1. विषयगत ज्ञान प्रशिक्षण (Substantive Knowledge Training):

- विषयगत ज्ञान प्रशिक्षण वह प्रशिक्षण है, जो कर्मचारियों को उनके कार्यक्षेत्र से संबंधित सैद्धांतिक (theoretical) और विचारणात्मक (conceptual) ज्ञान प्रदान करता है।
- इससे कर्मचारियों को यह समझने में मदद मिलती है कि संगठन कैसे कार्य करता है, उनके कार्यों के पीछे का उद्देश्य क्या है, और विभिन्न नीतियाँ तथा प्रक्रियाएँ क्यों लागू की जाती हैं।

मुख्य विशेषताएँ:

- ज्ञान आधारित प्रशिक्षण होता है।
- कर्मचारियों के विचार और समझ विकसित करता है।
- संगठन की कार्यप्रणाली, नियमों और नीतियों की जानकारी देता है।
- प्रबंधकीय और प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए अधिक उपयोगी।



Edit with WPS Office

उद्देश्य:

- कार्य से संबंधित सिद्धांतों और अवधारणाओं की समझ विकसित करना।
- निर्णय लेने और समस्या समाधान की क्षमता बढ़ाना।
- संगठन के उद्देश्यों और रणनीतियों को समझाना।
- कर्मचारियों को नए ज्ञान और नीतिगत परिवर्तनों से अवगत कराना।

उदाहरण:

- बैंक कर्मचारियों को बैंकिंग कानूनों और वित्तीय नीतियों की जानकारी देना।
- शिक्षकों को नए शैक्षिक सिद्धांतों, पाठ्यक्रमों और मूल्यांकन पद्धतियों के बारे में बताना।
- प्रबंधकों को संगठन की नई रणनीतियों और योजनाओं की जानकारी देना।

2. कौशल प्रशिक्षण (Skill Training):

कौशल प्रशिक्षण कर्मचारियों की व्यावहारिक क्षमता (practical ability) और तकनीकी दक्षता (technical efficiency) को सुधारने के लिए दिया जाता है।

इस प्रशिक्षण का ध्यान इस बात पर होता है कि कर्मचारी अपने कार्य को कितनी तेजी, सटीकता और गुणवत्ता के साथ कर सकते हैं।

मुख्य विशेषताएँ:

- व्यवहारिक (Practical) प्रशिक्षण होता है।
- कार्य प्रदर्शन में सुधार लाता है।
- तकनीकी और यांत्रिक कार्यों के लिए आवश्यक।
- कर्मचारियों की दक्षता और आत्मविश्वास बढ़ाता है।



उद्देश्य:

- कर्मचारियों को उनके कार्य में दक्ष बनाना।
- नई तकनीक, उपकरण या मशीनों के संचालन की जानकारी देना।
- त्रुटियों को कम करना और उत्पादकता बढ़ाना।
- ग्राहकों से संवाद या सेवा गुणवत्ता सुधारना।

उदाहरण:

- मशीन ऑपरेटरों को नई मशीन चलाने का प्रशिक्षण देना।
- सेल्स कर्मचारियों को ग्राहक सेवा, संवाद कौशल और प्रस्तुति (presentation) सिखाना।
- आईटी कर्मचारियों को नए सॉफ्टवेयर या प्रोग्रामिंग भाषा का प्रशिक्षण देना।

दोनों के बीच तुलना (Comparison):

आधार	विषयगत ज्ञान प्रशिक्षण	कौशल प्रशिक्षण
प्रकृति	सैद्धांतिक और बौद्धिक	व्यवहारिक और तकनीकी
उद्देश्य	ज्ञान और समझ विकसित करना	कार्य प्रदर्शन और दक्षता बढ़ाना
लाभार्थी.	प्रबंधक, अधिकारी, शिक्षक	तकनीकी कर्मचारी, ऑपरेटर, बिक्री कर्मचारी
प्रशिक्षण का तरीका.	कक्षा, लेक्चर, सेमिनार, केस स्टडी	ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग, वर्कशॉप, डिमॉन्स्ट्रेशन
उदाहरण	नीति, नियम, सिद्धांत सिखाना	मशीन संचालन, ग्राहक सेवा, संवाद कौशल सिखाना

निष्कर्ष:

- विषयगत ज्ञान प्रशिक्षण कर्मचारियों के सोचने और समझने की क्षमता को विकसित करता है, जबकि कौशल प्रशिक्षण उनके व्यावहारिक प्रदर्शन और दक्षता को सुधारता है।
- दोनों प्रकार के प्रशिक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं — ज्ञान बिना कौशल अधूरा है और कौशल बिना ज्ञान दिशाहीन।
- इसलिए एक प्रभावी प्रशिक्षण कार्यक्रम में दोनों का संतुलन आवश्यक है।

